Couse-6

Unit-1

1. लिंग का अर्थ एवं लिंगीय विभेद के कारणों की विवेचना करें। — (2016)

*2. निम्नलिखित बिंदुओं की विवेचना करें:—
   (i) Gender (लिंग) — (2016)
   (ii) Sex (सेक्स)
   (iii) Sexuality (कामुकता)
   (iv) Patriarchy (पितृसत्ता)
   (v) masulinity (मर्दानगी)
   (vi) feminism (नारीवाद)

*3. निम्नलिखित बिंदुओं की विवेचना करें:—
   (i) लैंगिक विभेद (Gender Bias).
   (ii) लैंगिक रूढ़ीवादिता (Gender stereotype)
   ** (iii) महिला सशक्तीकरण (Women empowerment)

** 4. (लैंगिक) समता और समानता (Equity and equality) में निम्नलिखित की भूमिका का वर्णन करें:—
   (i) जाति (ii) वर्ग (iii) धर्म (iv) जातीयता, (v) शारीरिक अक्षमता और (vi) क्षेत्रीयता.

5. लैंगिक समानता के सबलीकरण में परिवार एवं समाज की भूमिका का विश्लेषण व वर्णन करें। — (2016)

* 6. लैंगिक समानता में , की क्या भूमिका है? विवेचना करें।

** 7. पितृसत्ता से आप क्या समझते हैं? इसके कारणों तथा इसमें पुरुष - महिला के अधिकारों एवं कर्त्तव्यों पर प्रकाश डालें।

collected by Sawan Sir

***8. लिंग की सामाजिक भूमिका एवं विभिन्न आयामों का वर्णन करें।

***9. लिंग विभेद क्या है? इसके दुष्परिणामों की चर्चा करें।

***10. समसामयिक भारत में महिलाओं की परिवर्तित परिस्थिति को स्पष्ट कीजिए तथा इसके कारकों की विवेचना करें।

***11. स्त्री शिक्षा तथा लैंगिक शिक्षा में प्रतिमान विस्थापन से आप क्या समझते हैं? इसकी आवश्यकता एवं महत्त्व की विवेचना करें।

***12. 19 वीं व 20 वीं शताब्दी में सामाजिक सुधार आन्दोलन के तहत महिलाओं सामाजिक व शैक्षणिक उत्थान की चर्चा करें।

***13. समकालीन परिप्रेक्ष्य में महिलाओं की स्थिति सुधार, शिक्षा, व्यवसाय व सबलीकरण हेतु गठित विभिन्न आयोगों, कमिटियों, चलाये गए योजनाओं व कार्यक्रमों की विवेचना करें।

14. 19 वी. व 20 वीं शताब्दी में भारत में चलाये गये सामाजिक सुधार आन्दोलन में महिलायें के सशक्तीकरण हेतु किये गए संघर्षों व प्रयासों की चर्चा करें। → (प्रश्न 12)

15. वर्तमान समय / आजादी के बाद भारतीय महिलाओं के शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक स्थिति में सुधार हेतु क्या-क्या प्रयास हुए निम्नलिखित बिंदुओं के संदर्भ में चर्चा करें। → (प्रश्न -13)

(i) आयोग
(ii) समिति
(iii) योजना
(iv) कानून
(v) कार्यक्रम

collected by Sawan Sir

Unit-2

1. भारतीय संदर्भ में लैंगिक सिद्धांतों का विश्लेषण करें जो निम्नलिखित हैं !— (2016)
**
   (i) सामाजीकरण का सिद्धांत (Socialization Theory)
   (ii) लैंगिक विभिन्नता (Gender difference)
   (iii) संरचनात्मकता (निर्माणात्मक) का सिद्धांत (Structural Theory)
   (iv) विखण्डनात्मकता (विध्वंस कारी) ,, ,, (Deconstructive Theory)

2. लैंगिक पहचान से आप क्या समझते हैं? निम्नलिखित सन्दर्भों में लैंगिक पहचान एवं सामाजीकरण के कार्यों का वर्णन करें—
(***)
   (i) परिवार
   (ii) विद्यालय
   (iii) औपचारिक (सरकारी) या अनौपचारिक (गैर-सरकारी) संस्थायें

उपर्युक्त संदर्भों में लैंगिक पहचान व सामाजीकरण के कार्यों की विवेचना करें।

3. बालिकाओं के विद्यालयीकरण या विद्यालयी शिक्षा से सम्बन्धित असमानताओं तथा प्रतिरोधों की विवेचना करें। विद्यालयी शिक्षा तक बालिकाओं की पहुँच, प्रतिधारण (रुकने) तथा बहिष्करण के मुद्दे की भी चर्चा करें।
(***)

4. महिला सशक्तीकरण की आवश्यकताओं एवं इसके बाधाओं की चर्चा करें। — 2016

5. लैंगिक विषमता एवं लैंगिक शोषण पर प्रकाश डालें। इसके निराकरण की भी चर्चा करें।

6. बालिका विद्यालयीकरण की समस्यायें एवं समाधान की समीक्षात्मक वर्णन करें।
   ↳ unit(3) में पूछा था — 2016

collected by Sawan Sir

Unit-3

*1. लिंग, संस्कृति एवं संस्थाओं में क्या सम्बन्ध है? वर्ग, जाति, धर्म और क्षेत्र के आधार पर चर्चा करें।

2. पाठ्यक्रम और इससे सम्बन्धित लैंगिक प्रश्नों की विवेचना करें।

** पाठ्यक्रम में लैंगिक पक्ष की विवेचना करें।

3. आज़ादी के बाद से पाठ्यक्रम की रूप-रेखा में लैंगिक रचना की विवेचना करें।

स्वतंत्रता प्राप्ति से लेकर अब तक पाठ्यक्रम में लिंगीय पक्षों को समाहित करने के प्रयासों की विवेचना करें।

** 4. लिंग तथा गौण-पाठ्यक्रम (Hidden curriculum) की विवेचना करें।

* 5. पाठ्य पुस्तकों में तथा विभिन्न शैक्षिक सन्दर्भों में लिंग की क्या स्थिति है निम्नलिखित परिप्रेक्ष्यों में चर्चा करें—
(i) पाठ्यपुस्तकों का अन्य संकायों के साथ प्रतिच्छेदन
(ii) वर्ग-कक्ष प्रक्रिया
(iii) अध्यापन कला

*** 6. लैंगिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षक परिवर्तन के कारक (एजेन्ट) के रूप में भूमिका निभाता है। समझाइए। (Teacher as a agent of change)

*** 7. जीवन दक्षता क्या है? लिंग के सन्दर्भ में इसकी चर्चा करें।

8. यौन शिक्षा के क्षेत्र एवं यौन शिक्षाओं की समस्याओं को स्पष्ट करें। — (2016)

*** 9. यौन शिक्षा का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके स्वरूप, आवश्यकता व महत्त्व की विवेचना करें।

10. भारतीय संदर्भ में यौन शिक्षा की समस्याओं, चुनौतियों तथा इसे लागू करने के बारे में सुझाव दें।

collected by Sawan Sir

इस कोर्श मे प्रश्न गेस करना बहुत ही कठिन कार्य था इसलिए मैं छात्राध्यापकों से यही कहना चाहूंगा कि प्रत्येक यूनिट में अधिक से अधिक प्रश्नों को सिर्फ पढे ही नहीं, बल्कि समझने का भी प्रयास करें। क्योंकि, परीक्षा में प्रश्न का स्वरुप आपके निजी अनुभव के आधार पर भी हो सकता है। साथ ही प्रत्येक यूनिट एक दूसरे से किसी ने किसी प्रकार जुड़े हुए हैं, तो किसी एक या दो यूनिट की अच्छे से की गई तैयारी का फायदा आपको तीसरे या किसी और यूनिट में मिल सकता है।

ध्यान दें :- एग्जाम में प्रश्न आपके विवेक और समझ को परखने के लिए भी हो पूछा जा सकता है।

धन्यवाद!

सावन कुमार (छात्राध्यापक, bmttc, मोतिहारी)

B.Ed Course

B.Ed 1st Year Sent up Test Examination

Session 2016 – 2018

Time– 3 hrs.

Full Marks– 40

Pass Marks– 18

कृपा 3 प्रश्नों के उत्तर दें।

प्रत्येक खण्ड से केवल एक ही प्रश्न का उत्तर दें।

COURSE NO– 06

Gender, School and Society

(Group– 1)

प्र0 01– लिंग–विभेदीकरण के विभिन्न आयामों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।

या

19वीं एवं 20वीं सदी के सामाजिक सुधार आंदोलन के दौरान स्त्री के सामाजिक, शैक्षिक उत्थान का वर्णन करें।

प्र0 02– भारत में बालिकाओं की शिक्षा से संबंधित विभिन्न समितियों की सिफारिशों का वर्णन करें।

(Grc up– 2)

प्र0 03– लैगिंक समानता और समाजिकरण में विधालय औपचारिक और अनौपचारिक संगठन की भूमिका।

प्र0 04– बालिकाओं की स्कूली शिक्षा में असमानता और वर्त्तमान समस्या पर अपना विचार बिहार के संदर्भ में दें।

(Group– 3)

प्र0 05– लैंगिक समानता की शिक्षा में जाति, धर्म और संस्कृति की भूमिका का संक्षिप्त वर्णन करें।

प्र0 06– किंन्ही दो पर संक्षिप्त टिप्पणी करें:-

(i) पाठ्यक्रम और लैंगिग प्रश्न

(ii) आजादी के बाद स्त्रियों के परम्परागत एवं वैधानिक अधिकार

(iii) समाजिक परिवर्त्तन मे शिक्षकी की भूमिका

(iv) यौन शिक्षा

****

हिना कौसर
Roll - 158
Mo.no - 8272403181

बारयारपुर, बनकट, मोतिहारी

वार्षिक परीक्षा हेतु बी0 एड0 प्रथम सत्र के लिए अनुमानित प्रश्न पत्र

Course– 6 FM–80

Unit-i

प्रश्न स 1–लिग विभेद से क्या तात्पर्य है? लिग विभेद को समाप्त करने वाले उपायों का वर्णन करे।

प्रश्न स 2–पितृसत्ता से क्या समझते है?इसके सहायक एवं बाधक तत्वो का वर्णन करे।

प्रश्न स 3–19वी से 20वीं शताब्दी मे भारत की महिलाओ की शिक्षा की स्थिति पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न स 4–भारत में स्त्रीयो की शिक्षा से सम्बन्धित विभिन्न समितियों या आयोगो की सिफारिशो का वर्णन करें।

Unit-ii

प्रश्न सं 1–भारतीय संदर्भ मे लिग तथा शिक्षा के सिद्धान्तों एव उपयोग का वर्णन करें।

प्रश्न स 2–लिग पहचान से क्या तात्पर्य है? लिग पहचान में परिवार तथा विद्यालय की भूमिका का वर्णन करें।

प्रश्न सं 3–बालिका विद्यालयीकरण से क्या तात्पर्य है इसकी आवश्यकता एवं उद्देश्यो पर प्रकाश डालें।

Unit-ii

प्रश्न सं 1–जीवन दक्षता से क्या तात्पर्य है?इसकी आवश्यकता एवं महत्व की विवेचना करें।

प्रश्न सं 2–लिग असमानता से क्या समझते है?लिग समानता लाने मे अध्यापक की क्या भूमिका है वर्णन करे।

प्रश्न सं 3– लिग की समानता लाने मे संस्कृति की भूमिका का वर्णन करें।

प्रश्न सं 4–आस–पडोस तथा कार्य क्षेत्र मे महिला उत्पीडन की रोकथाम हेतु उपायों का वर्णन करें।